NZ ROYAL COMMISSION
COVID-19 LESSONS LEARNED
TE TIRA ĀRAI URUTĀ

व्हिटीकी आओटियारोआ: भविष्य की महामारी के लिए आओटियारोआ न्यूज़ीलैंड को तैयार करने के लिए COVID-19 से सीखे गए सबक

परिचय

फरवरी 2023 में, हमने आपसे COVID-19 के अपने अनुभवों को साझा करने के लिए कहा था, ताकि हमें आओटियारोआ न्यूज़ीलैंड की COVID-19 के प्रति प्रतिक्रिया से सीखने और भविष्य के लिए योजना बनाने में मदद मिल सके। अब हम आपके साथ साझा करना चाहते हैं कि COVID-19 इंक्वायरी (जाँच) के पहले चरण ने महामारी और इसके प्रति हमारे देश की प्रतिक्रिया के बारे में क्या जाना है।

हमें भविष्य में होने वाली किसी भी महामारी के लिए तैयार रहने के लिए COVID-19 के प्रति आओटियारोआ न्यूज़ीलैंड की प्रतिक्रिया से सीखने के लिए कहा गया था। आपके अनुभवों के बारे में पूछने के साथ-साथ, हमने पूर्व प्रधान मंत्री जसिंड़ा आरडर्न जैसे प्रमुख निर्णय निर्माताओं से भी मुलाकात की, और COVID-19 के दौरान उनके अनुभवों के बारे में जानने के लिए, आओटियारोआ की सरकारी एजेंसियों, स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं और व्यवसायों सहित लोगों और संगठनों से बात की। हमें महामारी के बारे में लिखित साक्ष्य भी प्राप्त हुए, जैसे कि सरकार द्वारा प्रकाशित शोध पत्र और दस्तावेज।

इंक्वायरी (जाँच) का पहला चरण:

- लगभग 400 बैठकें करीं
- 1600 से अधिक व्यक्तियों और लगभग 250 संगठनों के साथ मुलाकातें की
- 133,000 से अधिक पृष्ठों के साक्ष्य एकत्र किए
- लगभग 13,000 सार्वजनिक प्रस्तुतियाँ प्राप्त हुईं

हमने महामारी के लिए आओटियारोआ की प्रतिक्रिया के प्रमुख क्षेत्रों को देखा, जैसे कि लॉकडाउन, वैक्सीन जनादेश और MIQ (प्रबंधित अलगाव और संगरोध)। हमनें पता लगाया कि लोगों ने अपने स्वास्थ्य का ख्याल कैसे रखा, अपने बिलों का भुगतान कैसे किया, भोजन कैसे प्राप्त किया, या अपनी शिक्षा कैसे बरकरार रखी। हमने सुना कि सरकार ने COVID-19 के बारे में लोगों के साथ कैसे संवाद किया और किस प्रकार निर्णय लिए।

हमने इन बातों पर गौर किया:

- सरकार की महामारी से सम्बंधित तैयारी
- सरकार की COVID-19 उन्मूलन रणनीति
- लॉकडाउन
- बॉर्डर और क्वारंटाइन (संगरोध)
- स्वास्थ्य प्रणाली
- आर्थिक प्रभाव
- सामाजिक प्रभाव
- वैक्सीनेशन (टीकाकरण)
- जनादेश

COVID-19 महामारी पर एक नज़र

हमने आओटियारोआ न्यूज़ीलैंड पर महामारी के प्रभाव को और COVID-19 के प्रति सरकार की प्रतिक्रिया को देखा।

अन्य देशों की तुलना में, आओटियारोआ न्यूज़ीलैंड ने लोगों को वायरस से बचाने और महामारी के प्रभावों से निपटने में बहुत अच्छा काम किया, विशेष रूप से प्रतिक्रिया के शुरुआती चरणों में। हमारे यहां COVID-19 से होने वाली मौतें किसी भी अन्य आर्थिक सहयोग एवं विकास संगठन (OECD) देश की तुलना में कम थीं, तथा कुल मिलाकर हमने कई अन्य देशों की तुलना में लॉकडाउन में कम समय बिताया। हमारी बेरोजगारी दर कम रही, तथा अन्य तुलनीय देशों की तुलना में विद्यार्थी स्कूल से कम दिन अनुपस्थित रहे। इन सफलताओं को प्राप्त करने के लिए व्यक्तियों, सार्वजनिक सेवा, संगठनों और समुदायों की तीव्र प्रतिक्रिया और कड़ी मेहनत महत्वपूर्ण थी।

दुनिया भर के देशों की तरह आओटियारोआ भी COVID-19 महामारी से अचंभित था। हम इस तरह की महामारी के लिए तैयार नहीं थे, और हमें इस दौरान कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा। हमारी प्रतिक्रिया निपुण नहीं थी, और ऐसी कई चीजें थीं जो बेहतर की जा सकती थीं, और एक देश के रूप में हम भविष्य में महामारी की स्थिति में सुधार कर सकते हैं।

तैयार रहना और अच्छे निर्णय लेना

कई अन्य देशों की तरह, आओटियारोआ भी COVID-19 जैसी महामारी का सामना करने के लिए तैयार नहीं था। सरकार के पास शुरुआत में अच्छी प्रतिक्रिया देने के लिए आवश्यक कई उपकरण थे, लेकिन बेहतर तैयारी से हमें महामारी के दौरान आगे बढ़ने में मदद मिलती।

सरकार ने अनेक अज्ञात परिस्थितियों के बावजूद कठोर निर्णय लिए तथा महामारी की शुरुआत में अच्छी तरह से संवाद किया, लेकिन समय बीतने के साथ बेहतर व्यवस्थाएं मदद कर सकती थीं।

- आओटियारोआ COVID-19 के [बड़े] पैमाने के लिए तैयार नहीं था, लेकिन हमने चुनौती का सामना करने के लिए खुद को समायोजित कर लिया।
- सरकार ने एक स्पष्ट रणनीति के साथ शुरुआत की थी, लेकिन जैसे-जैसे महामारी आगे बढ़ती गई, वह बेहतर कर सकती थी।
- सरकार को व्यवसायों, iwi (माओरी जनजातियां) और समुदायों के साथ और अधिक काम करने की आवश्यकता थी।
- सरकार में समर्पित लोगों ने COVID-19 के प्रति त्वरित प्रतिक्रिया देने के लिए अविश्वसनीय रूप से कड़ी मेहनत की है - कई एजेंसियों में, हमारी सीमाओं पर, हमारे स्वास्थ्य क्षेत्र में, हमारी क्वारेंटीन (संगरोध) सुविधाओं में और हमारे समुदायों में।

लॉकडाउन

महामारी की शुरुआत में लॉकडाउन से मदद मिली, हालांकि उन्हें लागू करने में कुछ चुनौतियां थीं और कुछ लोगों के लिए यह बहुत कठिन थे। यदि हमारे पास संपर्क ट्रेसिंग जैसे बेहतर सार्वजनिक स्वास्थ्य तरीके हों, तो हमें भविष्य में महामारी के दौरान लॉकडाउन का उपयोग करने की आवश्यकता न पड़े।

- लॉकडाउन ने शुरुआत में COVID-19 को बाहर रखने में मदद की।
- लॉकडाउन लागू करने और प्रबंधित करने में चुनौतियां थीं।
- लॉकडाउन कुछ लोगों के लिए दूसरों की तुलना में अधिक कठिन थे।
- लॉकडाउन के दौरान लोगों की सहायता करने में iwi (इवी) और सामुदायिक समूह महत्वपूर्ण रहे।
- यदि हम अन्य सार्वजनिक स्वास्थ्य उपायों (जैसे संपर्क ट्रेसिंग) में अधिक धन और समय लगाते हैं, तो हमें अगली बार इतने सारे लॉकडाउन की आवश्यकता नहीं होगी।

सीमाओं को बंद करना

COVID-19 को आओटियारोआ न्यूज़ीलैंड से बाहर रखने में सीमाओं को बंद करना बहुत मददगार था, हालांकि यह कई लोगों के लिए कठिन था। चुनौतियों में से कुछ में MIQ (प्रबंधित अलगाव और संगरोध) सुविधाओं में स्थानों की कमी भी शामिल थी, जिसका अर्थ था कि कई न्यूजीलैंडवासी जब चाहते थे उस समय न्यूज़ीलैंड की यात्रा नहीं कर सके।

- सीमाओं को बंद करने से COVID-19 को बाहर रखने में मदद मिली।
- सीमाओं को बंद करने से कई लोगों को कठिनाई हुई।
- MIQ की स्थापना और प्रबंधन में कई चुनौतियाँ थीं – जैसे कि न्यूज़ीलैंड की यात्रा करने के इच्छुक सभी लोगों के लिए हमेशा पर्याप्त कमरे उपलब्ध न होना।
- MIQ को इतनी तेजी से स्थापित करना एक बड़ी उपलब्धि थी।

महामारी के दौरान स्वास्थ्य सेवा

स्वास्थ्य सेवा प्रणाली महामारी के लिए तैयार नहीं थी, और महामारी ने स्वास्थ्य सेवा कर्मियों और प्रदाताओं पर बहुत दबाव डाला। सरकार के कार्यों ने स्वास्थ्य सेवा प्रणाली को COVID-19 के कारण पूरी तरह से दबाव में आने से सफलतापूर्वक रोक लिया, लेकिन इसके परिणामस्वरूप लोगों की सामान्य स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच अपेक्षा से अधिक बाधित हुई।

- स्वास्थ्य सेवा प्रणाली महामारी के लिए तैयार नहीं थी।
- सरकार के कार्यों ने स्वास्थ्य सेवा प्रणाली को दबाव में आने से सफलतापूर्वक रोक दिया।
- इन कार्यों के लिए काफी कीमत चुकानी पड़ी, जैसे कि लोग अस्पताल में अपने प्रियजनों से मिलने नहीं जा सके।
- नियमित स्वास्थ्य सेवाएं आवश्यकता से अधिक बाधित हुईं।
- महामारी ने स्वास्थ्य सेवा प्रणाली की मौजूदा समस्याओं को और भी बदतर कर दिया।

सामाजिक परिवर्तन और आर्थिक परिवर्तन

सरकार की प्रतिक्रिया ने मौतों को रोकने और लोगों को सुरक्षित रखने में मदद की। हालाँकि, महामारी ने कुछ लोगों को दूसरों की तुलना में कहीं अधिक प्रभावित किया, जैसे कि जिन लोगों की नौकरी चली गई या जिन्हें आवश्यक सहायता प्राप्त नहीं हुई।

- सरकार ने काफी प्रभावी सामाजिक और आर्थिक सहायता प्रदान की।
- महामारी ने कुछ मौजूदा सामाजिक और आर्थिक समस्याओं को और बदतर बना दिया।
- महामारी कुछ लोगों के लिए दूसरों की तुलना में ज्यादा खराब थी।
- COVID-19 कई लोगों के लिए खत्म नहीं हुआ है, और उन्हें अभी भी सहायता की आवश्यकता है।

वैक्सीनेशन (टीकाकरण)

सामान्य तौर पर, आओटियारोआ न्यूज़ीलैंड के लिए वैक्सीन प्राप्त करने और अनुमोदित करने की प्रक्रिया उचित थी। वैक्सीन का प्रसार चुनौतीपूर्ण था, लेकिन कुल मिलाकर सफल रहा, हालांकि माओरी और प्रशांत क्षेत्र के कई लोगों तक पहुंचने में काफी समय लग गया।

हमने पाया कि:

- टीकाकरण ने 6500 से अधिक लोगों की जान बचाई और 45,000 से अधिक लोगों को अस्पताल में भर्ती होने से बचाया।
- वैक्सीन प्राप्त करने और अनुमोदित करने की प्रक्रिया उचित थी।
- लोगों तक वैक्सीन पहुंचाने में भारी प्रयास किया गया और 2021 के अंत तक अधिकांश लोगों को वैक्सीन की दो खुराकें मिल गईं थी।
- कुछ कमज़ोर समूहों को अपनी वैक्सीन प्राप्त करने में बहुत ज्यादा समय लगा, आंशिक रूप से इसलिए क्योंकि माओरी और प्रशांत क्षेत्र के स्वास्थ्य प्रदाताओं को शामिल करने के लिए टीकाकरण के शुरुआत में देरी हुई।
- कुछ लोग टीका लगवाने से हिचकिचा रहे थे, उन्हें टीका प्राप्त करना मुश्किल लग रहा था या वे कई कारणों से टीका लगवाना नहीं चाहते थे।

जनादेश

सरकार ने विशेष परिस्थितियों और महामारी के दौरान कुछ मौकों पर COVID-19 परीक्षण, संपर्क ट्रेसिंग, मास्क पहनना और टीकाकरण को अनिवार्य कर दिया था। इनमें से कई आदेश उचित थे, लेकिन उन्हें लागू करने में कुछ समस्याएं थीं। जनादेश, COVID-19 के प्रति सरकार की प्रतिक्रिया के सबसे विवादास्पद भागों में से एक थे।

- जनादेश चुनौतीपूर्ण थे और कुछ तो तनाव का कारण बने।
- परीक्षण, संपर्क ट्रेसिंग और मास्क लगाने के आदेश उचित थे, लेकिन भविष्य की महामारी के दौरान इनके कार्यान्वयन में सुधार किया जा सकता है।
- 2021 में उपलब्ध जानकारी के आधार पर कुछ वैक्सीन अनिवार्यताएं लागू करना उचित था।
- कुछ कार्यस्थल, व्यावसायिक और अन्य टीकाकरण आवश्यकताओं को बहुत व्यापक रूप से लागू किया गया और वह बहुत लंबे समय तक लागू रहे, जिससे व्यक्तियों और परिवारों को नुकसान हुआ और सामाजिक विभाजन को बढ़ावा मिला।

हमें आपसे क्या पता चला

उन सभी लोगों का धन्यवाद जिन्होंने अपने COVID-19 महामारी के अनुभव हमारे साथ साझा किए। आपके अनुभवों तथा हमारे द्वारा आयोजित बैठकों और एकत्र किए गए साक्ष्यों ने हमें आओटियारोआ न्यूज़ीलैंड की महामारी प्रतिक्रिया का आकलन करने, हमारे निष्कर्षों के लिए जानकारी प्रदान करने और भविष्य के लिए सिफारिशें करने में मदद की। COVID-19 के अपने अनुभवों के बारे में आपने हमें जो बताया है, हम उसका सारांश आपके साथ साझा करना चाहते हैं।

हमने क्या जाना:

- आओटियारोआ न्यूज़ीलैंड ने शुरुआत में अच्छा कार्य किया, लेकिन समय बीतने के साथ-साथ कई लोगों का विश्वास कम हो गया।
- आओटियारोआ न्यूज़ीलैंड को बेहतर तरीके से तैयार होने की जरूरत थी और पूरी सरकार को मिलकर काम करने की जरूरत थी।
- लोग इस बात पर बहुत विभाजित थे कि क्या लॉकडाउन एक अच्छा तरीका है।
- लॉकडाउन को अधिक लचीला बनाया जाना चाहिए तथा इसका प्रयोग केवल बहुत ही कठिन परिस्थितियों में किया जाना चाहिए।
- सरकार को सीमाओं को शीघ्रता से बंद करना चाहिए।
- घर पर ही आइसोलेशन (अलगाव) की अनुमति दी जानी चाहिए।
- MIQ (प्रबंधित अलगाव और संगरोध) को अधिक लचीला और निष्पक्ष होना चाहिए।
- कैंसर जांच जैसी अत्यावश्यक स्वास्थ्य सेवा हमेशा जारी रहनी चाहिए।
- सरकार को स्वास्थ्य सेवा प्रणाली में अधिक निवेश करने की जरूरत है।
- आर्थिक और सामाजिक चुनौतियों में लोगों ने आमतौर पर समर्थित महसूस किया।
- लोग अभी भी महामारी के प्रभाव महसूस कर रहे हैं, जैसे बढ़ती कीमतें और सामाजिक विभाजन।
- लोगों ने कहा कि वे वैक्सीन (टीकाकरण) के लिए आभारी हैं, हालांकि उन्हें यह भी लगता है कि टीकाकरण की प्रक्रिया और तेज हो सकती थी।

- कुछ लोगों ने महसूस किया कि उनके पास वैक्सीन के लिए सूचित सहमति देने के लिए पर्याप्त जानकारी नहीं थी।
- लोग इस बात पर बहुत विभाजित थे कि क्या जनादेश अच्छी चीज है और क्या इसका दोबारा प्रयोग किया जाना चाहिए।

आगे बढ़ते हुए भविष्य की तैयारी करना

हम नहीं जानते कि अगली महामारी कब आएगी, या यह कैसी होगी, लेकिन एक देश के रूप में हम अभी भी कुछ कदम उठा सकते हैं ताकि अगली महामारी आने पर हम उससे निपटने के लिए तैयार हों।

हमें अब एक मजबूत महामारी प्रतिक्रिया तैयार करने की आवश्यकता है। हमें यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता है कि आओटियारोआ न्यूज़ीलैंड का हर हिस्सा तैयार है, और यह भी सुनिश्चित करना होगा कि अगली महामारी आने पर पूरे देश में सरकार और समुदाय एक साथ मिलकर काम कर सकें।

हमने सरकार को सिफारिशें दी हैं कि भविष्य की किसी भी महामारी के लिए तैयार होने के लिए तथा अगली बार इससे निपटने के लिए उन्हें क्या करना चाहिए। हमारी सिफारिशें (सुझाव) हैं:

- महामारी के लिए एक योजना बनाएं जिसमें सभी सरकारी एजेंसियां एक साथ मिलकर काम करें।
- सुनिश्चित करें कि स्वास्थ्य, सामाजिक, आर्थिक, शिक्षा और न्याय क्षेत्र भविष्य की महामारियों का सामना करने और उनसे उबरने के लिए तैयार हैं।
- महामारी के लिए सरकार की तैयारी का समन्वय करने के लिए केंद्र सरकार की एजेंसी के अंदर एक समूह बनाएं।
- सुनिश्चित करें कि हमारी महामारी प्रतिक्रिया जन-केंद्रित हो – आओटियारोआ में समुदायों और संगठनों के साथ मिलकर काम करना।
- महामारी योजना और प्रतिक्रियाओं में विशेषज्ञों को शामिल करें जो मानवाधिकारों की रक्षा करेंगे और दीर्घकालिक परिणामों पर ध्यान केंद्रित करने में मदद करेंगे।
- भविष्य की महामारियों के दौरान, सुनिश्चित करें कि सरकार देश भर की चिंताओं को सुने तथा अपने निर्णयों के पीछे के कारणों के बारे में स्पष्ट हो।

अब क्या होगा?

हमारी रिपोर्ट, जिसमें इस वीडियो में साझा की गई सभी बातें शामिल हैं अब सरकार के पास है। सरकार हमारी सिफारिशों पर विचार कर रही है और यह निर्णय लेगी कि भविष्य की तैयारी के लिए वे हमारे सुझावों का उपयोग किस प्रकार कर सकती है।

COVID-19 जांच के दूसरे चरण में कुछ अतिरिक्त विषयों, जैसे वैक्सीन सुरक्षा, पर एक अन्य रिपोर्ट भी तैयार की जाएगी, जो 2026 में सरकार को भेजी जाएगी।

आपको तथा इस जांच को संभव बनाने वाले प्रत्येक व्यक्ति का धन्यवाद।